Press Release- Invest UP (Infrastructure & Industrial Dev. Dept., U.P.)

सीआईआई एग्रोटेक - कृषि भारत 2024' में इलेक्ट्रिक ट्रैक्टरों को कृषि में गेम-चेंजर के रूप में प्रदर्शित किया गया

लखनऊ, 17 नवंबर, 2024:

प्रतिष्ठित 'सीआईआई एग्रोटेक - कृषि भारत 2024' के तीसरे दिन उत्तर प्रदेश और उसके बाहर के प्रतिभागियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली। यह आयोजन कृषि और प्रौद्योगिकी में प्रगति का पता लगाने के लिए हितधारकों और उद्योग लीडरों के लिए एक प्रमुख केंद्र बन गया है, जिसमें विशेष रूप से इलेक्ट्रिक ट्रैक्टरों के निर्माण और उनके अपनाने पर जोर दिया गया।
एक प्रमुख सत्र, जिसका शीर्षक था 'इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर अपनाने में तेजी: उत्तर प्रदेश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना', ने सतत कृषि के भविष्य पर गहन चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया।

विशेषज्ञों ने कृषि इको-सिस्टम में नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण, इलेक्ट्रिक ट्रैक्टरों को अपनाने के लाभ, और आधुनिक खेती में उनकी व्यवहार्यता जैसे विषयों पर चर्चा की। पैनलिस्टों ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रोत्साहन योजनाओं और सब्सिडी पर जोर दिया, जो राज्य की ईवी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सत्र का एक मुख्य आकर्षण एक व्यापक पुस्तिका, 'इलेक्ट्रिक-ट्रैक्टर मैन्युफैक्चरिंग एंड एडॉप्शन इन इंडिया' का लॉन्च था, जो टिकाऊ और उन्नत प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कृषि में क्रांति लाने के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करता है। इस हैंडबुक का उद्देश्य भारत में इलेक्ट्रिक ट्रैक्टरों को अपनाने को बढ़ावा देकर नीति निर्माताओं, निर्माताओं और किसानों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करना है।
सत्र का संचालन चंदना के, प्रोग्राम एसोसिएट, सस्टेनेबल सिटीज़ एंड ट्रांसपोर्ट, डब्ल्यूआरआई इंडिया द्वारा किया गया और इसमें प्रमुख उद्योग जगत के नेताओं और सरकारी अधिकारियों का व्यावहारिक योगदान शामिल था। इनमें उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि विभाग के निदेशक जितेंद्र कुमार तोमर, निवेश प्रोत्साहन के महाप्रबंधक अनुरुद्ध क्षत्रिय, इन्वेस्ट यूपी के एजीएम, ईवी अमित कुमार मिश्रा, नाबार्ड के डीजीएम फैकल्टी प्रशांत दुबे, सिडबी के एजीएम सैयद फरमान इमाम, सुकून सॉल्यूशन के सीईओ और एमडी आमोद कुमार,

ऑटोनेक्स्ट के सह-संस्थापक पंकज गोयल और वोल्टिक के संस्थापक और सीईओ वरुण चतुर्वेदी शामिल थे।

चर्चाओं में उत्तर प्रदेश की इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर निर्माण के लिए वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता को रेखांकित किया गया, जो सतत विकास और नवाचार पर राज्य के फोकस को दर्शाता है। यह कार्यक्रम सहयोग और प्रगति को बढ़ावा देना जारी रखता है, कृषि और तकनीकी समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए एक अग्रणी मंच के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है।